उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

माह जून, 2017 की

प्रगति आख्या

(दिनांक 01 जून से 30 जून 2017 तक)

पर्वतीय अंचल में दूरस्थ शिक्षा का प्रचार प्रसार

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में माह मई में 'दूरस्थ शिक्षा संवर्द्धन प्रकोष्ठ' (Distance Education Promotion Cell) का गठन किया गया था। इस प्रकोष्ठ के तहत विश्वविद्यालय द्वारा चार सदस्यीय शिक्षकों की टीम बनाई है जो जुलाई माह में कुमांऊ व गढ़वाल क्षेत्रों में उच्च शिक्षा के प्रति जागरूकता पैदा करेंगें। राज्य में उच्च शिक्षा की स्थिति को सुधारने व पर्वतीय क्षेत्रों में उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा यह पहल की गई है। गठित टीम के सदस्यों द्वारा पर्वतीय क्षेत्रों के विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों का भ्रमण कर रोजगारपरक व परम्परागत पाठ्यक्रमों के सम्बन्ध में विद्यार्थियों को अवगत कराया जायेगा। साथ ही जिन विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों की जानकारी नहीं है उनके महत्व के संबंध में भी बताया जायेगा। सम्बन्धित पाठ्यक्रमों में रोजगार की संभावनायें कौन कौन सी है उनके संबंध में भी युवाओं को जानकारी दी जायेगी ताकि वे इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश ले सके। विश्वविद्यालय की इस पहल से पहाड़ों के यूवाओं को रोजगारपरक विषयों में शिक्षित कर पलायन की समस्या पर अंकुश लगाया जा सकता है। एम0एस0डब्ल्यू, योग, पत्रकारिता एवं जनसंचार, होटल प्रबन्ध, प्रबन्ध अध्ययन, वाणिज्य, विज्ञान, कम्प्यूटर विज्ञान आदि विश्वविद्यालय द्वारा संचालित प्रमुख रोजगारपरक व व्यवसायिक पाठ्यक्रम है।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा पहाड़ी क्षेत्रों में उच्च शिक्षा के प्रति शुरू की गई इस पहल से निश्चित तौर पर युवाओं को लाभ मिलेगा व उच्च शिक्षा से जुड़कर वे अपने उज्जवल भविष्य का निर्माण कर सकेंगें।

पुराछात्रा का भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयन

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की छात्रा सुश्री नमामि बंसल द्वारा संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा में 17वीं रैंक हासिल कर प्रदेश तथा विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। एम0ए0, अर्थशास्त्र में सर्वोच्य स्थान प्राप्त करने वाली नमामि बंसल ने दिनांक 17 अप्रैल, 2017 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में मा0 श्री राज्यपाल द्वारा स्वर्ण पदक प्राप्त किया। लाजपतराय मार्ग, ऋषिकेश निवासी नमामि समाचार पत्रों से साक्षात्कार में अपने ज्ञान को तकनीक के प्रयोग द्वारा बढ़ाने की बात बतायी।

द्वितीय दीक्षांत समारोह में मा0 श्री राज्यपाल द्वारा स्वर्ण पदक प्राप्त करती नमामी बंसल

पाठ्य सामग्री निर्माण

विश्वविद्यालय द्वारा वर्तमान सत्र 2017-18 में संचालित किए जा रहे पाठ्यक्रमों की स्व अध्ययन सामग्री के ईकाई लेखन व संपादन का कार्य किया जा रहा है। निम्न पाठ्यक्रमों की स्वअध्ययन सामग्री के निर्माण का कार्य पूर्ण हो चुका है-

विज्ञान विद्याशाखा-

रसायन शास्त्र (बी0एस0सी0, प्रथम वर्ष)

भौतिकी (बी0एस0सी0, प्रथम वर्ष)

जीव विज्ञान (बी0एस0सी0, प्रथम वर्ष)

प्राणी विज्ञान (बी0एस0सी0, प्रथम वर्ष)

भूगोल (बी0ए0/ बी0एस0सी0, प्रथम वर्ष)

इसके अतिरिक्त समाज कार्य, हिन्दी व अंग्रेजी पाठ्यक्रम की अध्ययन सामग्री के संपादन का कार्य किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय की अन्य विद्याशाखाओं द्वारा संचालित परास्नातक पाठ्यक्रमों जिसमें-

इतिहास विषय के प्रथम वर्ष की स्वअध्ययन सामग्री के ईकाई लेखन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

लोक प्रसाशन के प्रथम वर्ष की स्वअध्ययन सामग्री के ईकाई लेखन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

समाज शास्त्र के प्रथम वर्ष की स्वअध्ययन सामग्री के ईकाई लेखन का कार्य 90 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है।

होटल प्रबंध के प्रथम वर्ष की स्वअध्ययन सामग्री के ईकाई लेखन का कार्य 70 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है।

प्रबंध अध्ययन व वाणिज्य विभाग के प्रथम वर्ष की स्वअध्ययन सामग्री के ईकाई लेखन का कार्य 50 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है।

विश्वविद्यालय की विद्याशाखाओं द्वारा संचालित स्नातक पाठ्यक्रमों जिसमें-

गृह विज्ञान विषय के प्रथम वर्ष की स्वअध्ययन सामग्री के ईकाई लेखन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

वाणिज्य विषय के प्रथम वर्ष की स्वअध्ययन सामग्री के ईकाई लेखन का कार्य 90 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है।

वर्तमान सत्र में पंजीकृत होने वाले विद्यार्थियों को उपलब्ध कराये जाने वाले **आधार पाठ्यक्रमों** में-

साईबर सिक्योरिटी विषय की स्व अध्ययन सामग्री का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

पर्यावरण अध्ययन विषय की स्व अध्ययन सामग्री का निर्माण कार्य 60 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है।

सहज संस्कृत बोध विषय की स्व अध्ययन सामग्री का निर्माण कार्य 50 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है।

मानव मूल्य एवं आचार विषय की स्व अध्ययन सामग्री का निर्माण कार्य 100 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है।

विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित बी0एड0 कार्यक्रम प्रारम्भ करने हेतु स्व अध्ययन सामग्री विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, दूरस्थ शिक्षा ब्यूरौ, नई दिल्ली के निर्देशानुसार सभी सेमेस्टर के विषय पत्रों के लिए स्व अनुदेशनात्मक अधिगम सामग्री का निर्माण कर दिनांक-19/6/2017 को दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग में जमा किया गया। प्रस्तावित पाठ्यक्रम को प्रारम्भ करने की स्वीकृति पूर्व में ही एन0सी0टी0ई0 से प्राप्त हो चुकी है। स्व अनुदेशनात्मक अधिगम सामग्री के प्रमाणित होने के उपरांत शीघ्र ही प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ की जायेगी।

तृतीय अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

दिनांक 21 जून 2017 को विश्वविद्यालय द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एक **'योग महोत्सव'** कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के प्रथम चरण में कॉमन योग प्रोटोकॉल के अन्तर्गत प्रात: 7:00 बजे से योगाभयास का आयोजन किया गया। इस सत्र का उद्धाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव ने दीप प्रज्जवलन के साथ किया। इस अवसर पर कुलपति, कुलसचिव सहित विश्वविद्यालय के अनेक शिक्षक एवं कार्मिकों के अतिरिक्त बड़ी संख्या में छात्र, प्रशिक्षार्थी एवं स्थानीय लोग उपस्थित थे। सभी ने सुयोग्य प्रशिक्षुओं की देखरेख में योगाभ्यास किया।

योग महोत्सव के द्वितीय चरण के रूप में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, इन प्रतियोगिताओं में योग विषयक निबन्ध, योग विषयक पोस्टर प्रतियोगिता सम्मिलित थी। योगासन प्रतियोगिता में 27 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया, इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न कठिन एवं सहज आसनों का प्रदर्शन किया जिसे सुयोग्य निर्णायकों द्वारा आंकलन किया गया। इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने बहुत उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। इसी क्रम में निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें हिन्दी तथा अंग्रेजी वर्ग में 22 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। इसके साथ-साथ योग विषयक प्रोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें 16 प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

कार्यक्रम के तीसरे चरण में एक विचार-गोष्ठी का आयोजन किया गया, इस सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव द्वारा की गई। कार्यक्रम का आरंभ योग विभाग की छात्राओं की एक सांस्कृतिक प्रस्तुति द्वारा किया गया। स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक एवं कुलसचिव प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र ने भारत की प्राचीन योग परम्परा का विश्लेषण करते हुए वर्तमान मानवीय जीवन की पूर्णता के लिए योग की आावश्यकता को रेखांकित किया। प्रोफेसर एच0 पी0 शुक्ल, निदेशक, मानविकी ने योग के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव ने सभी उपस्थित व्यक्तियों, शिक्षकों, कार्मिकों एवं विद्यार्थियों को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं दी। साथ ही उन्होंने योग को एक अनुशासन बताया जो विद्यार्थियों को ज्ञान, कौशल, रोजगार के साथ-साथ मूल्यों से भी अलंकृत करता है तथा योग को मात्र एक विषय न बताकर मानव जीवन को समग्रता प्रदान करने वाला अनुशासन बताया। इस अवसर पर योग विभाग द्वारा प्रकाशित एक संक्षिप्त विवरणिका का एवं प्रारम्भ के स्तर के छात्रों के लिए वीडियों सी0डी0 का भी लोकार्पण किया गया।

इसके उपरान्त पोस्टर, निबन्ध एवं योगासन प्रतियोगिताओं में प्रथम द्वितीय तथा तृतीय स्तर पर सफल विद्यार्थियों को माननीय कुलपति जी द्वारा पुरस्कृत किया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में पुरस्कृत विद्यार्थियों का विवरण निम्न है-

1. योगासन प्रतियोगिता-
   प्रथम स्थान- कु0 नीता दियोलिया
   द्वितीय स्थान- कु0 इशू खड़ायत
   तृतीय स्थान- कु0 करिश्मा बिष्ट
2. पोस्टर प्रतियोगिता-
   प्रथम स्थान- कु0 तारा पटवाल
   द्वितीय स्थान- कु0 प्रियंका चौहान
   तृतीय स्थान- कु0 सीमा सिंह
3. निबन्ध प्रतियोगिता-

प्रथम स्थान- श्रीमती उमा साह चौधरी

द्वितीय स्थान- कु0 सीमा सिंह

तृतीय स्थान- कु0 नीता दियोलिया

इसी क्रम में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के शुभ अवसर पर उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय परिसर, देहरादून में योग शिविर का आयोजन किया गया। योग शिविर में विश्वविद्यालय के देहरादून परिसर में स्थित मॉडल अध्ययन केंन्द्र के योग विषय के विद्यार्थियों के साथ-साथ परिसर के कर्मयारियों, यूसर्क देहरादून के वैज्ञानिक तथा टिहरी नगर के स्थानीय लोनों ने प्रतिभाग किया। शिविर का संचालन मॉडल अध्ययन केन्द्र के योग प्रशिक्षक अनिल थपलियाल ने किया। शिविर प्रात: 6:00 बजे से 8:00 बजे तक किया गया। शिविर में विश्वविद्यालय के निदेशक प्रोफेसर दुर्गेश पंत ने जीवन में योग के महत्व पर प्रकाश डाला। इसके अतिरिक्त उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के लगभग 40 अध्ययन केन्द्रों पर भी योग दिवस महोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें कॉमन योग प्रोटोकॉल के साथ-साथ विविध योग विषयक कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताएं कराई गयीं।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस से संबंधित छायाचित्र संलग्न है (संलग्नक-क)

अध्ययन केन्द्र समन्वयकों की कार्यशाला

दिनांक 09 एवं 22 जून 2017 को विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की सुविधा व विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली में गुणवत्ता व संवर्द्धन करने के लिए अध्ययन केन्द्र समन्वयकों के साथ प्रवेश, पुस्तक वितरण, परीक्षा तथा आई0सी0टी0 एवं निदेशालय क्षेत्रीय सेवायें अनुभाग के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में गढ़वाल मण्डल के देहरादून शहर तथा कुमायूं मण्डल के अध्ययन केन्द्रों हेतु विश्वविद्यालय मुख्यालय में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

दिनांक 09 जून 2017 को गढ़वाल क्षेत्र के अध्ययन केन्द्र समन्वयकों की कार्यशाला डी0डी0 कॉलेज गढ़ीकेन्ट देहरादून के सभागार में प्रात: 11 बजे से प्रारम्भ हुई जिसमें 70 अध्ययन केन्द्रों के समन्वयक उपस्थितथे। कार्यशाला में अध्ययन केन्द्रों के विद्यार्थियों के प्रवेश आवेदन पत्रों के परीक्षण तथा जॉच एवं ऑनलाईन प्रवेश करने की विधितथा एस0आई0एस0 के माध्यम से प्रवेश आवेदन पत्रों की प्रविष्टि की विधि तथा परीक्षा

आवेदन पत्रों को ऑनलाईन करेन की भी जानकारी दी गयी। पाठ्यक्रम सामग्री नियमावली 2016 के अर्न्तगत भुगतान प्रक्रिया तथा सत्रीय कार्यों को समुचित मूल्यांकन की भी जानकारी दी गई। कार्यशाला में प्रोफेसर एच0 पी0 शुक्ल, निदेशक, क्षेत्रीय सेवाएं, डॉ देवेश कुमार मिश्र, डॉ0 नन्दन कुमार तिवारी, श्री जितेन्द्र द्विवेदी तथा भारत नैनवाल उपस्थित थे।

दिनांक 22 जून 2017 को कुमाऊं श्रेत्र के अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों की कार्यशाला विश्वविद्यालय मुख्यालय में आयोजित की गयी जिसमें 75 अध्ययन केन्द्रों के समन्वयक उपस्थित थे। कार्यशाला में उपरोक्त समस्त जानकारी दी गई तथा कार्यशाला में मा0 कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव, प्रोफेसर एच0 पी0 शुक्ल, निदेशक, क्षेत्रीय सेवाएं, कुलसचिव प्रोफेसर आर0 सी0 मिश्र, परीक्षा नियंत्रक प्रोफेसर पी0डी0 पंत, डॉ देवेश कुमार मिश्र, डॉ0 नन्दन कुमार तिवारी, श्री जितेन्द्र द्विवेदी तथा भारत नैनवाल उपस्थित थे।

दिनांक 09 एवं 22 जून 2017 को अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों की आर्यशाला

परीक्षा

- विश्वविद्यालय की वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षा 2017, 54 परीक्षा केन्द्रों में 01 जून 2017 से प्रारम्भ हुई थी, जो 05 जुलाई 2017 को समाप्त होगी। परीक्षा सुचारू एवं शान्तिपूर्ण ढंग से संचालित हो रही है।
- परीक्षा के शान्तिपूर्ण एवं नकलविहीन संचालन हेतु विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय स्तर पर 05 तथा विश्वविद्यालय स्तर से 08 सचल दल (Flying Squads) बनाये गये जिनके द्वारा परीक्षा के दौरान परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया गया, इनके द्वारा प्रभावी कार्यवाही की गयी है। इन सचल दलों में विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति, निदेशकगण व शिक्षकों द्वारा अलग-अलग दिवसों में औचक निरिक्षण किया गया।
- विश्वविद्यालय द्वारा प्रथम बार सेमेस्टर व वार्षिक परिक्षाऐं 45 दिवसों के स्थान पर 30 दिवसों में आयोजित कराई गई। साथ ही परीक्षाऐं तीन सत्रों के स्थान पर दो सत्रों में अयोजित की गई।

परीक्षा परीणाम समय पर घोषित किए जाने हेतु उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन का कार्य प्रगति पर है।

- विभिन्न विभागों से प्राप्त परियोजना कार्य (Project Work) का मूल्यांकन कराया गया तथा प्राप्तांको की एस0आई0एस में प्रविष्टि का कार्य गतिमान है।
- माह जून में 168 मूल उपाधियॅा, 55 अन्तरिम उपाधि/अनापत्ति प्रमाणपत्र वाहक/डाक से प्रोषित की गई तथा 270 मूल उपाधियों में संसोधन हेतु प्रिटिंग के लिए प्रेषित किए गये।

प्रवेश

- विश्वविद्यालय में ग्रीष्मकालीन सत्र 2017-18 में माह जून के आंकडों के अनुसार अद्यतन कुल 640 प्रवेशार्थियों ने विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश लिया।
- माह जून में इसके अतिरिक्त प्रवेश विभाग द्वारा छात्र-छात्राओं की समस्याओं का निस्तारण, आर0टी0आई, विवरणिकाओं का वितरण आदि कार्य संपादित किए गये।

व्यक्तिगत परीक्षा की तैयारियां

राज्य सरकार के आदेशानुसार वर्ष 2017-18 से व्यक्तिगत परिक्षार्थियों का प्रवेश उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा किया जाना है जिस हेतु विश्वविद्यालय ने अपने स्तर पर प्रवेश व परीक्षा की तैयारियां शुरू कर दी है। विद्यार्थियों के प्रवेश सम्बन्धि सुविधा हेतु विश्वविद्यालय द्वारा राज्य के विभिन्न के क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त सोशल मीडिया जैसे- फेसबुक, ट्वीटर, यू- ट्यूब के माध्यम से प्रवेश लेने वाले इच्छिुक प्रवेशार्थियों को जानकारी दी जा रही है। विश्वविद्यालय की इस प्रयास का मुख्य उद्देश्य इच्छिुक प्रवेशार्थियों को विश्वविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रमों व प्रवेश संबन्धी जानकारी प्रदान करना है ताकि वह समय पर प्रवेश ले सके।

सौर उर्जा सयंत्र (Solar Power Plant)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने बिजली बचाने हेतु उत्तराखण्ड अक्षय उर्जा विकास अभिकरण (उरेडा) द्वारा सोलर पॉवर प्लांट लगाने की पहल की है। जिसमें उरेडा विभाग से संबद्व फर्म के तकनीकी प्रतिनिधियों द्वारा विस्तार परियोजना रिपोर्ट तैयार करने हेतु दिनांक 24.05.2017 को विश्वविद्यालय परिसर का निरीक्षण (सर्वे) किया गया तथा उरेडा के माध्यम से उक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्ट जून माह में उपलब्ध हो गई है जिसे परियोजना अधिकारी, नैनीताल, हल्द्वानी कार्यालय के माध्यम से उपमुख्य परियोजना अधिकारी, उरेडा मुख्यालय, देहरादून को पत्रांकः104 / उरेडा / एन / ऑफगि0सा0पा0प्लांट / 485 / 2016, दिनांक 12 / जून / 2017 को स्वीकृति हेतु प्रेषित की जा चुकी है। उरेडा मुख्यालय, देहरादून से स्वीकृति प्राप्त होने के पश्चात् परियोजना अधिकारी, उरेडा हल्द्वानी, नैनीताल द्वारा कार्य प्रारम्भ किया जा सकेगा।

बारिश के पानी का संग्रहण (Rainwater Harvesting)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय परिसर में अनुपयोगी भूमि में वर्षा के जल को संग्रहण करने हेतु कम कीमत वाले एल0डी0पी0ई0 (सिलपोलिन) पोलीथीन टैंक का निर्माण कराने हेतु विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसन्धान संस्थान, अल्मोड़ा से तकनीकी मार्गदर्शन हेतु प्रधान वैज्ञानिक एवं उनके टीम सदस्य द्वारा विश्वविद्यालय का भ्रमण कर तकनिकी मार्गदर्शन प्रदान किया गया। इसी क्रम में कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है।

ऑनलाइन पाठ्य सामग्री

विश्वविद्यालय के ई–लर्निंग पोर्टल में संचालित किये जा रहे पाठ्यक्रमों की पाठ्यसामग्री के साथ संबंधित विषय की ओ0इ0आर0 (O.E.R) पाठ्य सामग्री भी उपलब्ध करायी जाती है, जिसका लाभ विश्वविद्यालय में पंजीकृत विद्यार्थियों के अलावा अन्य लोगों द्वारा निःशुल्क प्राप्त किया जाता है। माह जून में उक्त पोर्टल को 1600 शिक्षार्थियों द्वारा विजिट (Access) किया गया है।

एशिया दूरस्थ शिक्षा संघ की सदस्यता

उततराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय को वर्ष 2017 के लिए एशियन एसोसिएशन ऑफ ओपन यूनिवर्सिटीज (AAOU) की सदस्यता प्राप्त हो गई है। वर्तमान में एशिया के 61 मुक्त विश्वविद्यालय इस संगठन के सदस्य हैं। विश्वविद्यालय अपनी साख बेहरत स्थिति के आधार पर AAOU शामिल हो गया है जिससे विश्वविद्यालय की पहचान वैश्विक स्तर पर होने लगेगी। भारत में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के अतिरिक्त 15 अन्य मुक्त विश्वविद्यालय शामिल है। यह संगठन दूरस्थ शिक्षा से जुड़े विषयों अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विचार विमर्श करता है इसमें सभी मुक्त विश्वविद्यालयों के कुलपति प्रमुख रूप से प्रतिभाग करते है।

दूरस्थ शिक्षा में ज्ञान व अनुभव के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एशियन एसोसिएशन ऑफ ओपन यूनिवर्सिटीज ने इंटर-यूनिवर्सिटी स्टाफ एक्सचेंज फैलोशिप प्रोग्राम की भी शुरूआत की है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, अधिसूचना, नई दिल्ली

दिनांक 23 जून, 2017 विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 (1956 का तीसरा) की धारा 26 की उप-धारा के माध्यम से प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग करते हुए तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के विनियम (कला, मानविकी, ललित कला, संगीत, समाजिक विज्ञान, वाणिज्य और विज्ञान संकाय में गैर-औपचारिक/दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से प्रथम डिग्री प्रदान केरने के लिए अनुदेशों के न्यूनतम मानक) विनियम, 1985 का अधिक्रमण करते हुए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (मुक्त और दूरस्थ माध्यमों से शिक्षा प्राप्ति) विनियम, 2017 तैयार कर लिया है। इन विनियमों में मुक्त और दूरस्थ माध्यमों से शिक्षा प्राप्ति हेतु पद्धतियों के माध्यम से स्नातक और स्नातकोत्तर स्तरों पर डिग्री में मुक्त और दूरस्थ माध्यमों से शिक्षा प्राप्ति हेतु पद्धतियों के माध्यम से स्नातक और स्नातकोत्तर स्तरोंपर डिग्री प्रदान करने के लिए शिक्षा प्रदान करेन के न्यूनतम मानकों को निर्धारित किया गया है।

झंडारोहण कार्यक्रम

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रहित की भावनाओं को जागृत करने एवं सम्प्रेषित किए जाने हेतु केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में राष्ट्रीय ध्वज स्थापित कर फहराये जाने के निर्देश पारित किए गये है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रहित की भावनाओं को जागृत करने हेतु दिनांक 13/06/2017 से विश्वविद्यालय में प्रतिदिन झंडारोहण कार्यक्रम प्रारंभ किया जा रहा है। झंडारोहण प्रात: 8:00 बजे एवं अवतरण सायं 6:00 बजे एक अधिकारी तथा दो कर्मचारियों की उपस्थिति में किया जाता है। प्रतिदिन झंडारोहण एवं अवतरण की प्रविष्टि पंजिका में भी की जाती है।

विद्या वीरता अभियान

'विद्या वीरता अभियान' कार्यक्रम के अंतर्गत प्रदेश के विश्वविद्यालय के परिसर में परमवीर चक्र विजेता सैनिकों के चित्रों से युक्त "Wall of Heroes" का निर्माण किया जाना है ताकि विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को वीर सैनिकों के सर्वोच्च बलिदनों के प्रति जागरूक कर उनमें राष्ट्रीयता की भावना का संचार किया जा सके। दिनांक 2 जून, 2017 को राजभवन, देहरादून में आयोजित मा0 कुलाधिपति की अध्यक्षता में आयोजित बैठक के निर्णयानुसार विश्वविद्यालय द्वारा उत्तराखण्ड के वीर सैनिकों के सर्वोच्च बलिदानों के प्रति विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के जागरूकता हेतु सभी 21 परमवीर चक्र विजेता

सैनिकों के फोटो चित्रों को विश्वविद्यालय में चिन्हित दिवारों में लगवाने की प्रक्रिया चल रही है।

वार्षिक प्रतिवेदन 2017-18

विश्वविद्यालय द्वारा उसके उद्देश्यों की पूर्ति एवं दिशा के साथ-साथ राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) के महत्वपूर्ण सात मानकों- पाठ्यचर्या आयाम, शिक्षण: अधिगम संसाधन, शिक्षार्थी सहायता सेवाएँ एवं प्रगति, प्रशासन, नेतृत्व एवं प्रबन्धन, नवाचार एवं उत्तम क्रियायें- को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय द्वारा अपना प्रथम वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष 2016-17 में तैयार किया गया है। इसी प्रकार उपरोक्त मानकों के अनुसार वर्ष 2017-18 के वार्षिक प्रतिवेदन का कार्य प्रगति पर है।

स्वच्छता एवं कूड़े का निस्तारण

- दिनांक 6 मई, 2017. उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में कूड़े के निस्तारण हेतु गढ्ढों का निर्माण कराया गया। जिसमें विश्वविद्यालय में उत्पन्न होने वाला जैविक कूड़ा जो सड़ एवं गल सकता है जैसे–घास, पत्तियां, कागज, गत्ते, इत्यादि इन गढ्ढों में डाला जा रहा है, गढ्ढे के भरने के बाद उसे लगभग 3 माह तक डीकम्पोज होने हेतु बंद कर दिया जायेगा जिससे कूड़ा जैविक खाद में परिवर्तित हो जायेगा। जैविक खाद का प्रयोग विश्वविद्यालय के गमलों एवं फूलों की क्यारियों में किया जायेगा।

अन्य गतिविधियां

- दिनांक 17 जून को मा0 कुलपति जी ने एमबीपीजी कॉलेज, हल्द्वानी में इतिहास विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ0 सेराज मोहम्मद द्वारा संपादित पुस्तक **इंडियन कल्चर एट ए ग्लांस** पुस्तक का विमोचन किया।
- डॉ शशांक शुक्ल, सहायक प्रध्यापक, हिन्दी द्वारा शोध पत्र- 'मंटो का साहित्य: समय के उन्माद पर लिखा करूणा का शिलालेख' का 'जनकृति अंतराष्ट्रीय पत्रिका' में प्रकाशन हुआ है। (*ISSN 2454-2725*)
- माह जून 2017 में उपरोक्त प्रमुख कार्यकलापों के अतिरिक्त वर्ष 2017-18 (ग्रीष्मकालीन सत्र) में प्रवेश प्रक्रिया, शिक्षकों द्वारा ईकाई लेखन, पाठ्यक्रमों में सुधार/ संशोधन, अध्ययन सामग्री/ पुस्तकों की संचरना/ प्रकाशन आदि कार्य किए जा रहे है। विद्याशाखाओं के शिक्षकों के व्याख्यानों की वीडियो रिकार्डिंग, विद्यार्थियों तक पुस्तकों एवं पाठ्य सामग्री की आपूर्ति, सूचना अधिकार कानून के अन्तर्गत सूचनाओं की आपूर्ति, विद्यार्थियों को वांछित प्रमाणपत्रों का अविलम्ब निर्गमन आदि कार्य संपन्न किए गये।

(विश्वविद्यालय की अन्य गतिविधियों से संबंधित मीडिया कवरेज संलग्न है- ख)

....

संलग्नक—क

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस
के समारोह में
योग विभाग
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी
आपका हार्दिक अभिनन्दन करता है।
SHIVA SPORTS HOUSE
21/06/2017 08:08

TARA PATWAL
MAIN CHARACTER
21/06/2017 13:44

21/06/2017 09:13

के समारोह में
21/06/2017 13:03

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस
के समारोह में
21/06/2017 13:41

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस
के समारोह में
21/06/2017 13:40

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय परिसर, देहरादून में योग शिविर का आयोजन

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस
के अवसर पर आयोजित योग